भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3550
उत्तर देने की तारीख 11 अगस्त, 2025
20 श्रावण, 1947 (शक)
दिव्यांग युवाओं के लिए समावेशी खेल

3550. श्री बैजयंत पांडा:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) समस्त राज्यों और जिलों में दिव्यांग युवाओं के लिए खेलो इंडिया पैरा गेम्स जैसी योजनाओं की वर्तमान पहुंच का ब्यौरा क्या है;

(ख) दिव्यांग खिलाड़ियों के समक्ष आ रही बाधाओं के संबंध में क्या मूल्यांकन किया गया है;

(ग) सरकार द्वारा उक्त योजनाओं के अंतर्गत अनुकूल खेल प्रौद्योगिकियां और कोच प्रशिक्षण शुरू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या सरकार द्वारा स्पष्ट लक्ष्यों के साथ राष्ट्रव्यापी स्तर पर समावेशी खेलों का विस्तार करने के लिए वित्तपोषण अथवा भागीदारी में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत, सरकार विशिष्ट प्रशिक्षण, कोचिंग, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर और विश्वस्तरीय सुविधाओं तक पहुँच के माध्यम से प्रतिभाशाली दिव्यांग एथलीटों को सहायता प्रदान करके समावेशी खेलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इस स्कीम के अंतर्गत कुल 83 पैरा-एथलीटों की पहचान की गई है, जिनमें से प्रत्येक को ₹6.28 लाख प्रतिवर्ष मिल रहे हैं, जिसमें ₹10,000 मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ता भी शामिल है। समावेशी प्रतिस्पर्धी अवसर प्रदान करने के लिए, मंत्रालय अन्य राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं के साथ-साथ खेलो इंडिया पैरा खेलों का आयोजन करता है। मार्च 2025 में नई दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया पैरा खेल के दूसरे संस्करण में छह पैरा-खेल विधाओं में 1,200 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया था।

सरकार ने अनुकूलित खेल प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देने और दिव्यांग एथलीटों के लिए कोच प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने गांधीनगर स्थित अपने क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) स्कीम के अंतर्गत एक समर्पित पैरा स्पोर्ट्स सेंटर की स्थापना की है। यह केंद्र वर्तमान में पैरा-एथलीटों के लिए एथलेटिक्स, तैराकी, पावरलिफ्टिंग और टेबल टेनिस में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है। साथ ही, सामाजिक न्याय और

अधिकारिता मंत्रालय ने ग्वालियर में दिव्यांग खेल केंद्र की स्थापना की है, जो दिव्यांग एथलीटों के लिए अनुकूलित अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा, सभी खेल सुविधाओं के लिए "दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए सुगम्य खेल परिसर और आवासीय सुविधाएँ" में उल्लिखित दिशानिर्देशों का पालन करना अनिवार्य है, जिससे दिव्यांग एथलीटों के लिए आराम और सुगम्यता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, खेलो इंडिया स्कीम के तहत और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से, अनुकूलित उपकरण और प्रशिक्षण सहायक सामग्री प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मान्यता प्राप्त खेल परिसंघों के सहयोग से पैरा-स्पोर्ट्स में कोचों के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए जा रहे हैं।

सरकार ने राष्ट्रीय खेल नीति 2025 (खेलो नीति 2025) को मंज़ूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य देश भर में समावेशी खेलों को बढ़ावा देना है। यह नीति महिलाओं, दिव्यांगजनों और हाशिए पर पड़े समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों सहित अधिक वित्त पोषण और साझेदारी को प्रोत्साहित करती है। यह राज्य - स्तरीय संरेखण, प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) और नियमित निगरानी तंत्रों के माध्यम से स्पष्ट लक्ष्य भी निर्धारित करती है।

*****